मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

CBKG–001

भारतीय कालगणना में प्रमाण-पत्र

(सी. बी. के. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

सी.बी.के.जी.-001 : भारतीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य में काल-चिन्तन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 70*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

खण्ड—1

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×20=40

   (i) वेदाङ्ग ज्योतिष तथा दर्शनशास्त्रों के अनुसार काल की भारतीय अवधारणा का स्वरूप लिखिए।

(ii) सृष्टि-रचना की भारतीय अवधारणा बताते हुए कालगणना में सृष्टि-रचना का महत्व लिखिए।

(iii) काल-गणना में पृथ्वी की गतियों के ज्ञान की आवश्यकता को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—2

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

$5 \times 6 = 30$

(i) काल-ज्ञान में दर्शन और विज्ञान की भूमिका का उल्लेख कीजिए।

(ii) नक्षत्रों का परिचय दीजिए।

(iii) मकर संक्रान्ति किसे कहते हैं ?

(iv) भारतीय ज्योतिष में ग्रह किसे कहते हैं ?

(v) काल के भेदों का वर्णन कीजिए।

(vi) वेदों में काल-सम्बन्धी तत्वों का वर्णन कीजिए।

(vii) चक्रीय काल और एकरैखिक काल में अन्तर लिखिए।

× × × × ×